PIONEER PAGE 3

एलयू में दाखिले को लेकर आवेदन तिथि बढ़ी, सात तक जमा होंगे फार्म

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी की गंभीरता एवं लाकडाउन के चलते दाखिले को लेकर अभ्यर्थियों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए लखनऊ विवि प्रशासन ने विभिन्न पाठ्यक्रमों के आनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया है। स्नातक स्तर पर अब छात्र 7 अगस्त तक आवेदन कर सकेंगे। विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार स्नातक पाठ्यक्रमों एवं बीएलएड पाठ्यक्रम में आवेदन की अंतिम तिथि को 31 जुलाई से बढ़ाकर 7 अगस्त कर दिया गया है। इसी तरह परास्नातक पाठ्यक्रमों के आवेदन की अंतिम तिथि को 31 जुलाई से बढ़ाकर 7 अगस्त कर दिया है। स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों (बीबीए व बीसीए) एवं परास्नातक प्रबधन पाठ्यक्रमों (एमबीए एवं एमटीटीएम) आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 7 अगस्त कर दिया है। बीपीएडए एमपीएड एवं एमएड पाठ्यक्रमों के आवेदन की अन्तिम तिथि को 31 जुलाई से बढ़ाकर 7 अगस्त कर दिया है। डिप्लोमा पीजी, डिप्लोमा एडवांस्ड डिप्लोमा, सर्टिफिकेट केट तथा प्रोफिशिएंसी पाठ्यक्रमों की आनलाइन आवेदन प्रक्रिया आवेदन की अन्तिम तिथि 7 अगस्त होगी।

एलयू के चार पूर्व छात्रों का आइएएस में चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के चार पूर्व छात्र-छात्राओं का चयन लोक सेवा आयोग की भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा (आइएसएस) में हुआ है। इनमें आल ओवर इंडिया आंचल जैन ने 8वीं रैंक, भावना मिश्रा 13वीं, दिव्यांशु मिश्रा 14वीं और नितेश कुमार मिश्रा ने 18वीं रैंक हासिल कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। किसी को दूसरे तो किसी को तीसरे प्रयास में यह सफलता मिली है। यह जानकारी विवि के प्रवक्ता प्रो दुर्गेश श्रीवास्तव ने दी है।

सीमा विस्तार के बाद लखनऊ विवि ने दी दो नए कालेजों को सम्बद्धता

- कॉलेज शिक्षकों को मिली शोध कराने की अनुमति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीमा विस्तार के बाद पहली बार लखनऊ विश्वविद्यालय की कार्य परिषद ने शनिवार को दो नए कालेजों को सम्बद्धता दी है। जबकि 62 कालेजों को कोर्सों में सम्बद्धता प्रदान की गई है। शनिवार को विवि में सम्पन्न हुई कार्य परिषद की बैठक में कई अन्य भी निर्णय लिए गए। विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक राय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यपरिषद की बैठक के दौरान सबसे ज्यादा चर्चित मुद्दा शिक्षकों के प्रमोशन का रहा। जिस पर कार्य परिषद के सदस्यों के विरोध के चलते एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया। कमेटी इस पर निर्णय लेकर कुलपति को अवगत कराएगी। जिसके बाद प्रकरण को अगली बैठक में रखा जाएगा। बैठक में मानव शास्त्र विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर डॉ केया पांडेय का मामला रखा गया। जिसमें उन्होंने मांग की थी कि विभाग में खाली पद पर उनका भी विनियमितकरण कर कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत सारे लाभ दिए जाएं। सूत्रों का कहना है कि मामला उठते बैठक में उपस्थित सदस्यों ने विरोध जता दिया। सदस्यों का कहना था कि जब प्रकरण पर कार्य परिषद निर्णय ले चुकी है और हाईकोर्ट के भी निर्णय है तो फिर इसे रखने का कोई औचित्य नहीं है। जिस पर कार्यपरिषद ने आराधना पांडेय, डॉ केया पांडेय व मनीषा गुप्ता के प्रकरण में कमेटी गठित करने का निर्णय लिया। वही सीमा विस्तार के बाद लविवि की कार्यपरिषद ने दो नए कालेजों को संबद्धता प्रदान की है।

DAINIK JAGRAN PAGE 9

लखनऊ विवि के चार पूर्व छात्रों का आइएसएस में चयन

भारतीय सांख्यिकी सेवा में आंचल जैन 8वीं भावना मिश्रा 13वीं, दिव्यांशु 14वीं और नितेश मिश्रा 17वीं रैंक पर रहे

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़कर निकले चार पूर्व छात्र-छात्राओं का चयन लोक सेवा आयोग की भारतीय सांख्यिकी सेवा (आइएसएस) परीक्षा में हुआ है। शुक्रवार देर शाम इसके नतीजे जारी किए गए। इनमें आल ओवर इंडिया आंचल जैन ने 8वीं रैंक, भावना मिश्रा 13वीं, दिव्यांशु मिश्रा 14वीं और नितेश कुमार मिश्रा ने 17वीं रैंक हासिल कर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है। किसी को दूसरे तो किसी को तीसरे प्रयास में यह सफलता मिली है। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने सफल छात्रों को ट्विटर पर बधाई दी।

माता-पिता के साथ आंचल जैन ● सौजन्य : स्वजन

एमएससी द्वितीय वर्ष से ही भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी। इसके लिए कोचिंग भी की। पहले ही प्रयास में सफलता मिली है। मैंने नेशनल पीजी कालेज से 2018 में बीएससी करने के बाद लविवि से 2020 में एमएससी बायो स्टैटिस्टिक 83 फीसद अंकों के साथ उत्तीर्ण किया था। पापा अविनाश जैन की दुकान और प्रिंटिंग प्रेस का काम है। मां मीनाक्षी जैन गृहणी हैं। मूल रूप से हम लोग बहराइच के रहने वाले हैं।

आंचल जैन, 8वीं रैंक

मां अनीता के साथ भावना मिश्रा ● सौजन्य : स्वजन

मुझे तीसरे प्रयास में यह सफलता मिली। बीएससी नवयुग कन्या महाविद्यालय से और लविवि से 2017 में एमएससी करने के बाद तैयारी शुरू कर दी थी। पहले प्रयास में लिखित परीक्षा तो पास कर ली, लेकिन चयन नहीं हो पाया था। दूसरे प्रयास में भी नहीं हुआ। पापा दुर्गेश कुमार मिश्रा और मां का पूरा सहयोग रहा। जिस दिन इंटरव्यू था, उसी दिन पापा का कैंसर का आपरेशन भी था। हालांकि घरवालों ने मुझे नहीं बताया था ताकि परेशान न हों।

भावना मिश्रा, 13वीं रैंक

नितेश कुमार ● सौ : स्वजन

वर्ष 2018 में लखनऊ विश्वविद्यालय से बीएससी सांख्यिकी 75 फीसद अंकों के साथ पास किया था। इस दौरान लाल बहादुर शास्त्री और हबीबुल्लाह हास्टल में रहकर पढ़ाई की। फिर तैयारी शुरू कर दी। लिखित परीक्षा पास होने के बाद 2019 में भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा के लिए इंटरव्यू दिया, लेकिन चयन नहीं हुआ। हिम्मत नहीं हारी और फिर तैयारी की। अब सफलता मिली है। पापा राकेश कुमार मिश्र और मां सीमा मिश्र का इसमें अहम योगदान है।

नितेश कुमार मिश्रा, 17वीं रैंक।

दिव्यांशु मिश्रा ● सौ : स्वजन

लविवि में 2013 से 2018 तक बीएससी और एमएससी सांख्यिकी की पढ़ाई की। एक साल लाल बहादुर शास्त्री हास्टल में रहने के बाद फिर अपनी बुआ के घर में रहकर पढ़ाई पूरी की। उसके बाद तैयारी कर भारतीय सांख्यिकी सेवा की लिखित परीक्षा में पास हो गया, लेकिन ओवरआल मेरिट में चयन नहीं हुआ। दोबारा परीक्षा दी और अब फाइनल चयन हुआ है। पापा गौरव कुमार मिश्र किसान हैं और मां प्रभा मिश्रा गृहणी हैं।

दिव्यांशु मिश्रा, 14वीं रैंक

लखनऊ विश्वविद्यालय : पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षाओं की तिथि तय

जासं, लखनऊ : लखनऊ विवि ने अंग्रेजी और सोशल वर्क में पीएचडी कोर्स वर्क परीक्षाओं की तिथियां शनिवार को तय कर दीं। पीएचडी अंग्रेजी कोर्स वर्क की लिखित परीक्षा नौ और 10 अगस्त को होगी।

पहले दिन रिसर्च मैथेडोलाजी और दूसरे दिन क्रिटिकल एप्रोचेस टू लिट्रेचर विषय की परीक्षा आयोजित की जाएगी। कला संकाय के अंतर्गत 12 अगस्त को रिसर्च मैथेडोलाजी इन सोशल वर्क और 13 अगस्त को सोशल वर्क : कान्टम्प्रेरी इशूज एंड रिसेंट ट्रेंड की परीक्षा होगी। इसका समय सुबह 11 से 12 बजे तक होगा वहीं, एमएससी चौथे सेमेस्टर फूड प्रासेसिंग और फूड टेकनोलाजी विषय में प्रोजेक्ट प्रजेंटेशन नौ अगस्त को इंस्टीट्यूट आफ फूड प्रोसेसिंग एंड टेकनोलाजी में होगा। छात्रों को सुबह 9 बजे उपस्थित होना है।

10 तक अपलोड करने होंगे आंतरिक परीक्षाओं के अंक

लखनऊ विश्वविद्यालय ने सभी विभागाध्यक्षों के साथ-साथ सभी महाविद्यालयों को मई-जून 2021 की आंतरिक परीक्षाओं के अंक आनलाइन अपलोड करने के लिए 10 अगस्त तक का मौका दिया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इसके निर्देश जारी किए गए हैं। परीक्षा विभाग के मुताबिक विश्वविद्यालय की स्नातक और परास्नातक सम सेमेस्टर 2021 के छात्रों के आंतरिक परीक्षाओं के अंक पोर्टल पर अपलोड करने का एक और मौका दिया है। सभी विभागाध्यक्ष एवं कालेजों को अनिवार्य रूप से तय तिथि तक अंक अपलोड करके हार्ड कापी अधीक्षक परीक्षाफल को उपलब्ध कराना होगा, जिससे नतीजे समय से घोषित किए जा सकें।

कार्य परिषद से स्नातक शिक्षकों को पीएचडी कराने की मंजूरी

जासं, लखनऊ : लखनऊ विवि ने स्नातक महाविद्यालयों के शिक्षकों को पीएचडी कराने की अनुमति देने के प्रस्ताव को कार्य परिषद से भी मंजूरी दे दी है। इसके अलावा 64 महाविद्यालयों को भी अनुमोदन दिया गया है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई प्रस्तावों पर मुहर लगा दी गई। एंथ्रोपोलोजी विभाग की शिक्षिका डा. केया पांडेय के प्रोमोशन के मामले में कमेटी बनाने का निर्णय लिया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि स्नातक कालेजों के पीएचडी कराने की अनुमति प्रदान कर दी गई है। विद्या परिषद से इसे पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। अब पीएचडी आर्डिनेंस को मंजूरी के लिए राजभवन भेजा जाएगा। वहां से अनुमति मिलने के बाद अगले जो भी पीएचडी दाखिले होंगे, उसमें इसे शामिल किया जाएगा।

बैठक

- राजभवन में आर्डिनेंस भेजकर ली जाएगी स्वीकृति
- अगले दाखिले में स्नातक कालेजों के शिक्षकों को मिलेगा मौका

छह मृतक आश्रितों की नियुक्ति का अनुमोदन

कार्य परिषद में मृतक आश्रितों की नियुक्ति का प्रस्ताव भी रखा गया। मृतक आश्रित नियोजन समिति की संस्तुति को अनुमोदन करते हुए छह आश्रितों की नियुक्ति का प्रस्ताव मंजूर कर लिया गया। इसमें तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पद शामिल हैं। इसके अलावा हैप्पी थिंकिंग प्रयोगशाला के लिए अवैतनिक निदेशक नियुक्त करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

सात तक यूजी-पीजी के आनलाइन आवेदन का मौका

लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक बार फिर स्नातक, परास्नातक और प्रोफेशन कोर्सों में दाखिल के लिए आनलाइन आवेदन की तिथि बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी सात अगस्त तक वेबसाइट lkouniv.ac.in के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। बीते मार्च से शुरू हुई इस प्रक्रिया में अब तक करीब 69 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन कर दिया है। इस संबंध में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने निर्देश जारी किए हैं।

विश्वविद्यालय के प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि अभी तक स्नातक पाठ्यक्रमों के साथ बीएलएड पाठ्यक्रम, परास्नातक पाठ्यक्रमों, स्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों जैसे बीबीए, बीसीए, परास्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रमों एमबीए, मास्टर आफ टूरिज्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (एमटीटीएम), बीपीएड, एमपीएड, एम एड पाठ्यक्रमों के आवेदन के लिए 31 अगस्त तक समय सीमा तय थी।

शनिवार को एक सप्ताह के लिए इसे बढ़ा दिया गया है। इसमें डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा, एडवांस्ड डिप्लोमा, सर्टिफिकेट तथा प्रोफिशिएंसी पाठ्यक्रमों में भी आनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

लविवि के चार छात्रों का भू-वैज्ञानिक परीक्षा -2020 में चयन

संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित संयुक्त भू-वैज्ञानिक परीक्षा- 2020 के नतीजे जारी कर दिए गए। इसमें आल ओवर इंडिया स्तर पर लविवि की श्रुति सक्सेना 11वीं, आकांक्षा त्रिपाठी 12वीं, अरिजीत एम माथुर 17वीं और स्नेह कुमार को 25वीं रैंक के साथ सफलता मिली है। इन्हें भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियुक्ति मिलेगी।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : अब 7 अगस्त तक होंगे प्रवेश आवेदन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने यूजी, पीजी की प्रवेश की आवेदन तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 7 अगस्त तक नए सत्र 2021-22 में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही विवि अगस्त के अंत तक अपनी प्रवेश प्रक्रिया पूरी करने की कवायद में लग गया है।

■ हाल में आए बोर्ड परीक्षा परिणाम को देखते हुए बढ़ाई तिथि

विभिन्न बोर्डों के इंटर के रिजल्ट न आने के कारण विश्वविद्यालय प्रशासन मार्च से लेकर अब तक पांच बार प्रवेश आवेदन की तिथि बढ़ा चुका है। हालांकि इसका उसे फायदा भी मिला और अब तक विभिन्न यूजी, पीजी व डिप्लोमा कोर्सों में प्रवेश के लिए लगभग 60 हजार आवेदन आ चुके हैं। ऐसे में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों को कड़ा मुकाबला करना होगा। वहीं, इस सप्ताह में भी अच्छे आवेदन होने की उम्मीद है। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि यूजी, पीजी, यूजी प्रोफेशनल, पीजी प्रोफेशनल, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएलएड, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स के लिए ऑनलाइन प्रवेश आवेदन की तिथि 7 अगस्त तक बढ़ाई गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने हाल ही में अपने यहां यूजी प्रवेश परीक्षा के लिए पैटर्न की सूचना भी जारी की थी। (माई सिटी रिपोर्टर)

जेएनपीजी में ऑनलाइन प्रवेश आवेदन 10 तक

लखनऊ। इंटर के सभी बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों के मद्देनजर श्री जय नारायण मिश्र महाविद्यालय ने भी प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई से बढ़ाकर 10 अगस्त कर दी है। प्राचार्य डॉ. मीता साह ने बताया कि प्रथम वर्ष की लगभग सवा चार हजार सीटों के सापेक्ष करीब 7500 आवेदन अभी तक आए हैं। बीकॉम, बीबीए तथा लॉ में सर्वाधिक आवेदन हुए हैं। कॉलेज में प्रवेश मेरिट के आधार पर होगा। महाविद्यालय में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते है।

आंचल की आईएसएस में 8वीं रैंक

लखनऊ। लोक सेवा आयोग की भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा (आईएसएस) के शुक्रवार देर शाम जारी नतीजों में लखनऊ विश्वविद्यालय के कई पूर्व छात्र-छात्राओं का चयन हुआ है। विवि के पूर्व छात्र आंचल जैन ने ऑल इंडिया लेवल पर 8वीं रैंक पाई है, जबकि भावना मिश्रा ने 13वीं, दिव्यांशु मिश्रा ने 14वीं और नीतेश कुमार मिश्रा ने 17वीं रैंक हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। परीक्षा में सफल विद्यार्थियों ने बताया कि किसी को दूसरे तो किसी को तीसरे प्रयास में यह सफलता पाई है। आंचल जैन ने बताया कि नेशनल पीजी कॉलेज से बीएससी व लविवि से एमएससी करने के साथ ही इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। भावना मिश्रा ने बताया कि नवयुग कन्या महाविद्यालय से स्नातक और लविवि से एमएससी के बाद इसमें तीसरे प्रयास में सफलता पाई। दिव्यांशु मिश्रा ने बताया कि लविवि से बीएससी व एमएससी करने के बाद बुआ के घर रहकर तैयारी की और दूसरे प्रयास में सफलता पाई। नीतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि बीएससी के साथ ही इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। शुरुआती प्रयास में सफलता नहीं मिली तो थोड़ी निराशा हुई, लेकिन अभिभावकों ने पूरा सहयोग किया और मनोबल बढ़ाया। पूर्व विद्यार्थियों की सफलता पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, डीन स्टूडेंट् वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन आदि ने बधाई दी है। (माई सिटी रिपोर्टर)

आंचल जैन

भावना मिश्रा

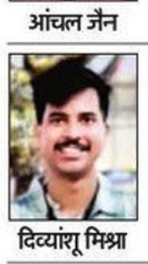

दिव्यांशु मिश्रा

नीतेश कुमार

i-NEXT PAGE 4

स्नातक टीचर्स कराएंगे पीएचडी

- अगले पीएचडी दाखिले में स्नातक कॉलेजों के शिक्षकों को मिलेगा मौका

LUCKNOW (31 July): लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक महाविद्यालयों के शिक्षकों को पीएचडी कराने की अनुमति देने के प्रस्ताव को कार्य परिषद से भी मंजूरी दे दी है. इसके अलावा 64 महाविद्यालयों को भी अनुमोदन दिया गया है. शनिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में कई प्रस्तावों पर मुहर लगा दी गई., वहीं, एंथ्रोपोलोजी विभाग की शिक्षिका डा. केया पांडेय के प्रोमोशन के मामले में कुलपति ने कमेटी बनाने का निर्णय लिया है. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि स्नातक कालेजों के शिक्षकों को शोध (पीएचडी) कराने की अनुमति प्रदान कर दी गई है. विद्या परिषद से इसे पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है. अब पीएचडी आर्डिनेंस को मंजूरी के लिए राजभवन भेजा जाएगा. वहां से अनुमति मिलने के बाद अगले जो भी पीएचडी दाखिले होंगे, उसमें इसे शामिल किया जाएगा.

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

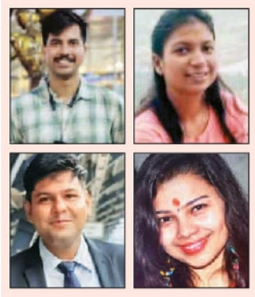

लविवि के छात्रों का आईएसएस में चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र रहे दिव्यांशु मिश्रा, भावना मिश्रा, नीतीश कुमार मिश्रा और आंचल जैन का इंडियन स्टैटिसटिक्स सर्विसेज में चयन हुआ है। ऑल इंडिया के इस इलेक्शन में करीब 50 छात्रों को पूरे देश से जगह मिली है, जिसमें से 4 छात्र लखनऊ विश्वविद्यालय के भी है। लखनऊ विश्वविद्यालय कुलपति ने सभी छात्रों को उनके इस चयन पर बधाई दी है ।

कार्यपरिषद की बैठक में 64 महाविद्यालयों को अनुमोदन

लखनऊ। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में लखनऊ विश्वविद्यालय कार्यपरिषद की बैठक हुई। बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्धता हेतु 64 महाविद्यालयों को अनुमोदन देने और कई विवादित मामलों में कमेटी बनाई गई है। जबकि छह मृतक आश्रितों को नौकरी देने का रास्ता भी साफ हो गया है। इसके अलावा शक्रवार को हुई बैठक में मृतक आश्रितों को नियुक्त करने संबंधी मृतक आश्रित नियोजन समिति की संस्तुति को अनुमोदन करते हुए 6 आश्रितों की नियुक्ति का अनुमोदन दिया गया है।

TOI PAGE 5

LU allows affiliated colleges to run more UG courses

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The Executive Council of the Lucknow University on Saturday allowed 64 affiliated colleges to run more undergraduate (regular & professional) courses, besides giving nod to the proposal permitting teachers of affiliated colleges to supervise PhD students.

However, the vice-chancellor's proposal to promote a teacher in the Anthropology department met with stiff opposition from the teachers who are members of the EC. They said the case was related to a candidate who was appointed a part-time lecturer in late '90s along with 51 others. "Some of them were regularised by amending rules, but the move was rejected by the high court. The matter went to the Supreme Court on whose suggestion a panel was formed to fix criterion for regularisation, but this case doesn't fulfil the norms that were finalised," a member claimed.

"LU will form a three-member committee to review the case," LU spokesperson Prof Durgesh Srivastava told TOI.